

Třéninky 2023-24 - 90 min 840... 1/2 haly 630...

| Pořadí | Jméno | Věk | Přihláška | 9.11. | | 10.11. | | 21.11. | | 7.12. | | 14.12. | | 21.12. | | 08.1. | | 11.1. | | 18.1. | | 25.1. | | 1.3. | | 8.3. | | 15.3. | | 22.3. | | 2.4. | | 9.4. | | 16.4. | | 23.4. | | 30.4. | | 7.5. | | 14.5. | | 21.5. | | 28.5. | | 4.6. | | 11.6. | | 18.6. | | 25.6. | | 2.7. | | 9.7. | | 16.7. | | 23.7. | | 30.7. | | 6.8. | | 13.8. | | 20.8. | | 27.8. | | 3.9. | | 10.9. | | 17.9. | | 24.9. | | 1.10. | | 8.10. | | 15.10. | | 22.10. | | 29.10. | | 5.11. | | 12.11. | | 19.11. | | 26.11. | | 3.12. | | 10.12. | | 17.12. | | 24.12. | | 31.12. | | 7.1. | | 14.1. | | 21.1. | | 28.1. | | 4.2. | | 11.2. | | 18.2. | | 25.2. | | 3.3. | | 10.3. | | 17.3. | | 24.3. | | 31.3. | | 7.4. | | 14.4. | | 21.4. | | 28.4. | | 5.5. | | 12.5. | | 19.5. | | 26.5. | | 1.6. | | 8.6. | | 15.6. | | 22.6. | | 29.6. | | 6.7. | | 13.7. | | 20.7. | | 27.7. | | 3.8. | | 10.8. | | 17.8. | | 24.8. | | 31.8. | | 7.9. | | 14.9. | | 21.9. | | 28.9. | | 5.10. | | 12.10. | | 19.10. | | 26.10. | | 1.11. | | 8.11. | | 15.11. | | 22.11. | | 29.11. | | 6.12. | | 13.12. | | 20.12. | | 27.12. | | 3.1. | | 10.1. | | 17.1. | | 24.1. | | 31.1. | | 7.2. | | 14.2. | | 21.2. | | 28.2. | | 6.3. | | 13.3. | | 20.3. | | 27.3. | | 3.4. | | 10.4. | | 17.4. | | 24.4. | | 31.4. | | 7.5. | | 14.5. | | 21.5. | | 28.5. | | 4.6. | | 11.6. | | 18.6. | | 25.6. | | 2.7. | | 9.7. | | 16.7. | | 23.7. | | 30.7. | | 6.8. | | 13.8. | | 20.8. | | 27.8. | | 3.9. | | 10.9. | | 17.9. | | 24.9. | | 31.9. | | 7.10. | | 14.10. | | 21.10. | | 28.10. | | 4.11. | | 11.11. | | 18.11. | | 25.11. | | 2.12. | | 9.12. | | 16.12. | | 23.12. | | 30.12. | | 6.1. | | 13.1. | | 20.1. | | 27.1. | | 3.2. | | 10.2. | | 17.2. | | 24.2. | | 3.3. | | 10.3. | | 17.3. | | 24.3. | | 31.3. | | 7.4. | | 14.4. | | 21.4. | | 28.4. | | 5.5. | | 12.5. | | 19.5. | | 26.5. | | 1.6. | | 8.6. | | 15.6. | | 22.6. | | 29.6. | | 6.7. | | 13.7. | | 20.7. | | 27.7. | | 3.8. | | 10.8. | | 17.8. | | 24.8. | | 31.8. | | 7.9. | | 14.9. | | 21.9. | | 28.9. | | 5.10. | | 12.10. | | 19.10. | | 26.10. | | 1.11. | | 8.11. | | 15.11. | | 22.11. | | 29.11. | | 6.12. | | 13.12. | | 20.12. | | 27.12. | | 3.1. | | 10.1. | | 17.1. | | 24.1. | | 31.1. | | 7.2. | | 14.2. | | 21.2. | | 28.2. | | 6.3. | | 13.3. | | 20.3. | | 27.3. | | 3.4. | | 10.4. | | 17.4. | | 24.4. | | 31.4. | | 7.5. | | 14.5. | | 21.5. | | 28.5. | | 4.6. | | 11.6. | | 18.6. | | 25.6. | | 2.7. | | 9.7. | | 16.7. | | 23.7. | | 30.7. | | 6.8. | | 13.8. | | 20.8. | | 27.8. | | 3.9. | | 10.9. | | 17.9. | | 24.9. | | 31.9. | | 7.10. | | 14.10. | | 21.10. | | 28.10. | | 4.11. | | 11.11. | | 18.11. | | 25.11. | | 2.12. | | 9.12. | | 16.12. | | 23.12. | | 30.12. | | 6.1. | | 13.1. | | 20.1. | | 27.1. | | 3.2. | | 10.2. | | 17.2. | | 24.2. | | 31.2. | | 7.3. | | 14.3. | | 21.3. | | 28.3. | | 4.4. | | 11.4. | | 18.4. | | 25.4. | | 2.5. | | 9.5. | | 16.5. | | 23.5. | | 30.5. | | 6.6. | | 13.6. | | 20.6. | | 27.6. | | 3.7. | | 10.7. | | 17.7. | | 24.7. | | 31.7. | | 7.8. | | 14.8. | | 21.8. | | 28.8. | | 4.9. | | 11.9. | | 18.9. | | 25.9. | | 2.10. | | 9.10. | | 16.10. | | 23.10. | | 30.10. | | 6.11. | | 13.11. | | 20.11. | | 27.11. | | 3.12. | | 10.12. | | 17.12. | | 24.12. | | 31.12. | | 7.1. | | 14.1. | | 21.1. | | 28.1. | | 4.2. | | 11.2. | | 18.2. | | 25.2. | | 2.3. | | 9.3. | | 16.3. | | 23.3. | | 30.3. | | 6.4. | | 13.4. | | 20.4. | | 27.4. | | 3.5. | | 10.5. | | 17.5. | | 24.5. | | 31.5. | | 7.6. | | 14.6. | | 21.6. | | 28.6. | | 4.7. | | 11.7. | | 18.7. | | 25.7. | | 2.8. | | 9.8. | | 16.8. | | 23.8. | | 30.8. | | 6.9. | | 13.9. | | 20.9. | | 27.9. | | 3.10. | | 10.10. | | 17.10. | | 24.10. | | 31.10. | | 7.11. | | 14.11. | | 21.11. | | 28.11. | | 4.12. | | 11.12. | | 18.12. | | 25.12. | | 2.1. | | 9.1. | | 16.1. | | 23.1. | | 30.1. | | 6.2. | | 13.2. | | 20.2. | | 27.2. | | 3.3. | | 10.3. | | 17.3. | | 24.3. | | 31.3. | | 7.4. | | 14.4. | | 21.4. | | 28.4. | | 4.5. | | 11.5. | | 18.5. | | 25.5. | | 2.6. | | 9.6. | | 16.6. | | 23.6. | | 30.6. | | 6.7. | | 13.7. | | 20.7. | | 27.7. | | 3.8. | | 10.8. | | 17.8. | | 24.8. | | 31.8. | | 7.9. | | 14.9. | | 21.9. | | 28.9. | | 4.10. | | 11.10. | | 18.10. | | 25.10. | | 2.11. | | 9.11. | | 16.11. | | 23.11. | | 30.11. | | 6.12. | | 13.12. | | 20.12. | | 27.12. | | 3.1. | | 10.1. | | 17.1. | | 24.1. | | 31.1. | | 7.2. | | 14.2. | | 21.2. | | 28.2. | | 4.3. | | 11.3. | | 18.3. | | 25.3. | | 2.4. | | 9.4. | | 16.4. | | 23.4. | | 30.4. | | 6.5. | | 13.5. | | 20.5. | | 27.5. | | 3.6. | | 10.6. | | 17.6. | | 24.6. | | 31.6. | | 7.7. | | 14.7. | | 21.7. | | 28.7. | | 4.8. | | 11.8. | | 18.8. | | 25.8. | | 2.9. | | 9.9. | | 16.9. | | 23.9. | | 30.9. | | 6.10. | | 13.10. | | 20.10. | | 27.10. | | 3.11. | | 10.11. | | 17.11. | | 24.11. | | 31.11. | | 7.12. | | 14.12. | | 21.12. | | 28.12. | | 4.1. | | 11.1. | | 18.1. | | 25.1. | | 2.2. | | 9.2. | | 16.2. | | 23.2. | | 30.2. | | 6.3. | | 13.3. | | 20.3. | | 27.3. | | 3.4. | | 10.4. | | 17.4. | | 24.4. | | 31.4. | | 7.5. | | 14.5. | | 21.5. | | 28.5. | | 4.6. | | 11.6. | | 18.6. | | 25.6. | | 2.7. | | 9.7. | | 16.7. | | 23.7. | | 30.7. | | 6.8. | | 13.8. | | 20.8. | | 27.8. | | 3.9. | | 10.9. | | 17.9. | | 24.9. | | 31.9. | | 7.10. | | 14.10. | | 21.10. | | 28.10. | | 4.11. | | 11.11. | | 18.11. | | 25.11. | | 2.12. | | 9.12. | | 16.12. | | 23.12. | | 30.12. | | 6.1. | | 13.1. | | 20.1. | | 27.1. | | 3.2. | | 10.2. | | 17.2. | | 24.2. | | 31.2. | | 7.3. | | 14.3. | | 21.3. | | 28.3. | | 4.4. | | 11.4. | | 18.4. | | 25.4. | | 2.5. | | 9.5. | | 16.5. | | 23.5. | | 30.5. | | 6.6. | | 13.6. | | 20.6. | | 27.6. | | 3.7. | | 10.7. | | 17.7. | | 24.7. | | 31.7. | | 7.8. | | 14.8. | | 21.8. | | 28.8. | | 4.9. | | 11.9. | | 18.9. | | 25.9. | | 2.10. | | 9.10. | | 16.10. | | 23.10. | | 30.10. | | 6.11. | | 13.11. | | 20.11. | | 27.11. | | 3.12. | | 10.12. | | 17.12. | | 24.12. | | 31.12. | | 7.1. | | 14.1. | | 21.1. | | 28.1. | | 4.2. | | 11.2. | | 18.2. | | 25.2. | | 2.3. | | 9.3. | | 16.3. | | 23.3. | | 30.3. | | 6.4. | | 13.4. | | 20.4. | | 27.4. | | 3.5. | | 10.5. | | 17.5. | | 24.5. | | 31.5. | | 7.6. | | 14.6. | | 21.6. | | 28.6. | | 4.7. | | 11.7. | | 18.7. | | 25.7. | | 2.8. | | 9.8. | | 16.8. | | 23.8. | | 30.8. | | 6.9. | | 13.9. | | 20.9. | | 27.9. | | 3.10. | | 10.10. | | 17.10. | | 24.10. | | 31.10. | | 7.11. | | 14.11. | | 21.11. | | 28.11. | | 4.12. | | 11.12. | | 18.12. | | 25.12. | | 2.1. | | 9.1. | | 16.1. | | 23.1. | | 30.1. | | 6.2. | | 13.2. | | 20.2. | | 27.2. | | 3.3. | | 10.3. | | 17.3. | | 24.3. | | 31.3. | | 7.4. | | 14.4. | | 21.4. | | 28.4. | | 4.5. | | 11.5. | | 18.5. | | 25.5. | | 2.6. | | 9.6. | | 16.6. | | 23.6. | | 30.6. | | 6.7. | | 13.7. | | 20.7. | | 27.7. | | 3.8. | | 10.8. | | 17.8. | | 24.8. | | 31.8. | | 7.9. | | 14.9. | | 21.9. | | 28.9. | | 4.10. | | 11.10. | | 18.10. | | 25.10. | | 2.11. | | 9.11. | | 16.11. | | 23.11. | | 30.11. | | 6.12. | | 13.12. | | 20.12. | | 27.12. | | 3.1. | | 10.1. | | 17.1. | | 24.1. | | 31.1. | | 7.2. | | 14.2. | | 21.2. | | 28.2. | | 4.3. | | 11.3. | | 18.3. | | 25.3. | | 2.4. | | 9.4. | | 16.4. | | 23.4. | | 30.4. | | 6.5. | | 13.5. | | 20.5. | | 27.5. | | 3.6. | | 10.6. | | 17.6. | | 24.6. | | 31.6. | | 7.7. | | 14.7. | | 21.7. | | 28.7. | | 4.8. | | 11.8. | | 18.8. | | 25.8. | | 2.9. | | 9.9. | | 16.9. | | 23.9. | | 30.9. | | 6.10. | | 13.10. | | 20.10. | | 27.10. | | 3.11. | | 10.11. | | 17.11. | | 24.11. | | 31.11. | | 7.12. | | 14.12. | | 21.12. | | 28.12. | | 4.1. | | 11.1. | | 18.1. | | 25.1. | | 2.2. | | 9.2. | | 16.2. | | 23.2. | | 30.2. | | 6.3. | | 13.3. | | 20.3. | | 27.3. | | 3.4. | | 10.4. | | 17.4. | | 24.4. | | 31.4. | | 7.5. | | 14.5. | | 21.5. | | 28.5. | | 4.6. | | 11.6. | | 18.6. | | 25.6. | | 2.7. | | 9.7. | | 16.7. | | 23.7. | | 30.7. | | 6.8. | | 13.8. | | 20.8. | | 27.8. | | 3.9. | | 10.9. | | 17.9. | | 24.9. | | 31.9. | | 7.10. | | 14.10. | | 21.10. | | 28.10. | | 4.11. | | 11.11. | | 18.11. | | 25.11. | | 2.12. | | 9.12. | | 16.12. | | 23.12. | | 30.12. | | 6.1. | | 13.1. | | 20.1. | | 27.1. | | 3.2. | | 10.2. | | 17.2. | | 24.2. | | 31.2. | | 7.3. | | 14.3. | | 21.3. | | 28.3. | | 4.4. | | 11.4. | | 18.4. | | 25.4. | | 2.5. | | 9.5. | | 16.5. | | 23.5. | | 30.5. | | 6.6. | | 13.6. | | 20.6. | | 27.6. | | 3.7. | | 10.7. | | 17.7. | | 24.7. | | 31.7. | | 7.8. | | 14.8. | | 21.8. | | 28.8. | | 4.9. | | 11.9. | | 18.9. | | 25.9. | | 2.10. | | 9.10. | | 16.10. | | 23.10. | | 30.10. | | 6.11. | | 13.11. | | 20.11. | | 27.11. | | 3.12. | | 10.12. | | 17.12. | | 24.12. | | 31.12. | | 7.1. | | 14.1. | | 21.1. | | 28.1. | | 4.2. | | 11.2. | | 18.2. | | 25.2. | | 2.3. | | 9.3. | | 16.3. | | 23.3. | | 30.3. | | 6.4. | | 13.4. | | 20.4. | | 27.4. | | 3.5. | | 10.5. | | 17.5. | | 24.5. | | 31.5. | | 7.6. | | 14.6. | | 21.6. | | 28.6. | | 4.7. | | 11.7. | | 18.7. | | 25.7. | | 2.8. | | 9.8. | | 16.8. | | 23.8. | | 30.8. | | 6.9. | | 13.9. | | 20.9. | | 27.9. | | 3.10. | | 10.10. | | 17.10. | | 24.10. | | 31.10. | | 7.11. | | 14.11. | | 21.11. | | 28.11. | | 4.12. | | 11.12. | | 18.12. | | 25.12. | | 2.1. | | 9.1. | | 16.1. | | 23.1. | | 30.1. | | 6.2. | | 13.2. | | 20.2. | | 27.2. | | 3.3. | | 10.3. | | 17.3. | | 24.3. | | 31.3. | | 7.4. | | 14.4. | | 21.4. | | 28.4. | | 4.5. | | 11.5. | | 18.5. | | 25.5. | | 2.6. | | 9.6. | | 16.6. | | 23.6. | | 30.6. | | 6.7. | | 13.7. | | 20.7. | | 27.7. | | 3.8. | | 10.8. | | 17.8. | | 24.8. | | 31.8. | | 7.9. | | 14.9. | | 21.9. | | 28.9. | | 4.10. | | 11.10. | | 18.10. | | 25.10. | | 2.1 | |
|--------|-------|-----|-----------|-------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-----|--|
|--------|-------|-----|-----------|-------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|------|--|-------|--|-------|--|-------|--|-------|--|--------|--|--------|--|--------|--|-----|--|